प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,
प्रयागराज

**MAHI-114 (N)**
हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास

# खंड–1

## हिन्दी भाषा का विकास, भौगोलिक क्षेत्र, उपभाषाएँ तथा बोलियाँ

इकाई –1
भारोपीय भाषा परिवार: विशेषताएँ एवं वर्गीकरण (शतम् और केण्टुम)

इकाई –2
भारतीय आर्यभाषाओं का क्रमिक विकास

इकाई –3
प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट और पुरानी हिन्दी

इकाई –4
खड़ी बोली का उद्भव और विकास

इकाई –5
हिन्दी और उसकी प्रमुख बोलियाँ तथा क्षेत्र विस्तार

## खण्ड–1 परिचय

परास्नातक हिंदी कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास [MAHI-114(N)] पाठ्‌यक्रम का यह पहला खण्ड है, जिसका शीर्षक हिंदी भाषा का विकास, भौगोलिक क्षेत्र, उपभाषाए तथा बोलियाँ है। इस खण्ड के अंतर्गत कुल पाँच इकाइयाँ हैं जो इकाई 1 से इकाई 5 तक) है।

इकाई–1 के अन्तर्गत भारोपीय भाषा परिवार तथा उसकी विशेषताओं एवं वर्गीकरण की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत है।

इकाई–2 में भारतीय आर्यभाषाओं के क्रमिक विकास का उल्लेख है।

इकाई–3 के अन्तर्गत प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्‌ट और पुरानी हिंन्दी के विषय में विस्तृत जानकारी है।

इकाई–4 में खड़ी बोली के उद्‌भव और विकास को प्रस्तुत किया गया है।

इकाई–5 के अंतर्गत हिन्दी और उसकी प्रमुख बोलियों तथा उसके क्षेत्र विस्तार पर व्यापक चर्चा की गई है।

अतः इन समस्त इकाईयों के माध्यम से आप हिंदी भाषा के विकास क्रम, भौगोलिक क्षेत्र उपभाषाओं तथा बोलियों आदि के बारे में समझ सकेंगे।